महाशिवरात्रि रा शिवजी ने मनावण चाला लिरिक्स

महाशिवरात्रि रा शिवजी ने,
मनावण चाला,
गवरा साथे शिव जी बैठा,
धोक लगावा सा।bd।

गजानन्द जी साथ बिराजे,
रिद्धि सिद्धि साथ,
काला काला सांप गले मे,
जटा में गंगा खलके ओ,
गंगाजी रे पावन जल सु,
चरण पुरावा सा।bd।

भगत ऊबा धूणा पे,
शंख बजावे गणगौर,
शंख री आवाज सुन ने,
शंकर नाचे जौर सा,
शिव शंकर रो नाच देखन,
चाला मिलने साथ।bd।

तीन लोको रो धणी,
म्हारो बाबो भोले नाथ,
पाताल धरती अम्बर,
होवे जय जयकार सा,
जयजयकार चार दिशा में,
बाबो भोलानाथ।bd।

माजीसा स्टूडिओ माय,
पीयूष जाँगिड़ गावे सा,
मुकेश माली भजन बनावे,
सुरेंद्र बन्ना साथ,
महाशिवरात्रि री भोंग बाबा,
पीवण आवो आज।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

महाशिवरात्रि रा शिवजी ने,
मनावण चाला,
गवरा साथे शिव जी बैठा,
धोक लगावा सा।bd।

गायक – पियूष जांगिड़।
लेखन – मुकेश माली पीपाड़।
प्रेषक – गोपाल सुथार जसोल।
9712406766

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com